|  |  |
| --- | --- |
|  |  |
|  | क्या यह सच है कि मार्च 2011 की तुलना में मार्च 2012 में देश पर विदेशी कर्ज की मात्रा बढ़ी है; |
|  | यदि हां, तो उपरोक्‍त अवधियों में देश पर कर्ज की राशि का ब्यौरा क्या है; |
|  | क्या यह भी सच है कि उपरोक्‍त अवधि में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आयी है; |
|  | यदि हां, तो मार्च 2011 एवं मार्च 2012 के अंत में उपलब्‍ध विदेशी मुद्रा भंडार की राशियों का ब्यौरा क्या है; और |
|  | सरकार ने 2010-11 एवं 2011-12 में विदेशी कर्ज के भुगतान हेतु ब्याज एवं मूलधन के रूप में कितनी-कितनी राशि का भुगतान किया? |

**उत्‍तर**

**वित्‍त मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (श्री नमो नारायन मीना)**

**(क):** भारत का विदेशी ऋण मार्च, 2011 के अंत में 305.9 बिलियन अमरीकी डालर था, जो मार्च, 2012 के अंत में बढ़कर 345.8 बिलियन अमरीकी डालर हो गया है।

**(ख):** विदेशी ऋण का मार्च, 2011 के अंत का और मार्च, 2012 के अंत का संघटक वार ब्‍यौरा इस प्रकार है:

|  |
| --- |
| (बिलियन अमरीकी डालर) |
| क्रम सं.  | संघटक  | 2011(मार्च के अंत में) | 2012(मार्च के अंत में) |
| 1 | बहुपक्षीय | 48.5 | 50.5 |
| 2 | द्विपक्षीय | 25.7 | 26.8 |
| 3 | अंतरराष्‍ट्रीय मुद्रा कोष  | 6.3 | 6.2 |
| 4 | निर्यात ऋण  | 18.6 | 19.9 |
| 5 | वाणिज्‍यिक उधार  | 88.6 | 104.4 |
| 6 | एनआरआई जमाराशियॉं  | 51.7 | 58.6 |
| 7 | रुपया ऋण  | 1.6 | 1.4 |
| 8 | दीर्घावधिक ऋण (1 से 7) | 240.9 | 267.6 |
| 9 | अल्‍पावधिक ऋण  | 65.0 | 78.2 |
| 10 | जोड़ विदेशी ऋण (8+9) | 305.9 | 345.8 |
| टिप्‍पणी: पूर्णांकन के कारण जोड़ में अंतर हो सकता है। |

**(ग) और (घ):** मार्च, 2011 के अंत के 304.8 बिलियन अमरीकी डालर से गिरकर विदेशी मुद्रा भंडार मार्च, 2012 में 294.4 बिलियन अमरीकी डालर हो गया है।

**(ड.):** वर्ष 2010-11 और 2011-12 के दौरान सरकारी खाता ऋणों पर सरकारी विदेशी ऋण सेवा भुगतान इस प्रकार है:

 (करोड़ रुपये)

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
|  | 2010-11 | 2011-12 |
| मूलधन  | 11774 | 13585 |
| ब्‍याज  | 3044 | 3418 |
| जोड़ ऋण शोधन | 14818 | 17003 |

 \*\*\*\*\*